इनफ्लिबनेट न्यूजलेटर

ISSN : 0971- 9849

खंड ३१, अंक सं.३ (जुलाई से सितंबर २०२४)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

She Research Network in India (SheRNI)
https://sherni.inflibnet.ac.in/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/

Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

विषय सूची

निदेशक की कलम से	1
इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/वेबिनार	3
विश्वविद्यालय शैक्षणिक, शोध और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए विशेष राज्य स्तरीय कार्यशाला	9
शोध–चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID वैश्विक भागीदारी निधि)	11
१२वां कन्वेंशन प्लानर २०२४, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	12
इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति	18
अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ	22
कर्मचारी समाचार	27
नई नियुक्ति	30
संस्थागत मुलाकात	30
उपयोगकर्ताओं की राय	31
क्षेत्रीय समाचार/सोशल मीडिया में इनफ्लिबनेट	32

निदेशक की कलम से
From Director's Desk

(प्रिय पाठको)

मुझे 2024 के इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर का तीसरा तिमाही अंक पेश करते हुए खुशी हो रही है। इस अवधि के दौरान, INFLIBNET केंद्र ने NIRF के तहत भारत रैंकिंग 2024 के 9वें अभ्यास को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जिसे श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार ने 12 अगस्त 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में डॉ सुकांत मजूमदार, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति में जारी किया। जैसे उच्च शिक्षा सचिव, श्री के संजय मूर्ति; अध्यक्ष, यूजीसी, प्रो एम जगदीश कुमार; अध्यक्ष, एआईसीटीई, प्रो टीजी सीताराम; अध्यक्ष, एनईटीएफ, प्रो अनिल सहस्रबुद्धे; सदस्य सचिव, एनबीए, डॉ अनिल कुमार नासा; अतिरिक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, श्री सुनील कुमार बरनवाल; संयुक्त सचिव, श्री गोविंद जायसवाल, और अन्य शिक्षाविद, और संस्थानों के प्रमुख इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा किए गए कार्यों को विधिवत स्वीकार और सराहना की गई।

इनफ्लिबनेट सेंटर ने 19 से 21 सितंबर 2024 तक राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में लाइब्रेरी ऑटोमेशन और नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए 12वें कन्वेंशन (प्लानर) 2024 का आयोजन किया, जिसका विषय था "एआई युग में पुस्तकालयः अनुप्रयोग और परिप्रेक्ष्य"। यह पहली बार था जब इनफ्लिबनेट सेंटर ने उत्तर–पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश में प्लानर कन्वेंशन की मेजबानी की, जिससे यह और भी खास हो गया। इस कन्वेंशन का औपचारिक उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल और आरजीयू के मुख्य रेक्टर ने किया, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर साकेत कुशवाह, कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय; प्रोफेसर देविका पी. मदल्ली, निदेशक, इनफ्लिबनेट सेंटर और अन्य अतिथियों और प्रतिभागियों जैसे गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। सम्मेलन के विषयों और उप–विषयों के आधार पर, सम्मेलन के दूसरे और तीसरे दिन 26 पेपर प्रस्तुतियाँ, पाँच पोस्टर, 5 आमंत्रित और 11 व्यावसायिक प्रस्तुतियाँ हुईं। मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के कुलपति (स्वतंत्र प्रभार) प्रो. प्रवाकर रथ ने प्लानर 2024 के 12वें सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रोशन लाल रैना ने एक विचारशील और प्रेरक वीडियो संदेश के साथ ऑनलाइन समापन भाषण दिया। इस न्यूज़लेटर में प्लानर 2024 पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट दी गई है।

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि 14 अगस्त 2024 को, INFLIBNET केंद्र ने राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया और भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन की विरासत को सम्मान देने के लिए अपने परिसर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद के कुलपति माननीय डॉ. हर्षद ए. पटेल ने प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन की प्रतिमा का अनावरण किया। उस दिन, केंद्र ने देश के पुस्तकालय क्षेत्र को अपनी सेवाएँ समर्पित कीं। इसने अपने INFLIBNET कॉर्नर और रिसर्च कॉर्नर का अनावरण किया, जो विशेष रूप से संस्थानों के लिए डिज़ाइन किए गए बैनर हैं, ताकि देश भर के शैक्षणिक और शोध समुदायों में उपयोगकर्ताओं की उंगलियों पर इसकी सभी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

रिपोर्ट की गई अवधि तक, केंद्र ने संस्थानों के लिए 1,315 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए 87 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस शामिल हैं, और इस परियोजना के माध्यम से 2,02,161 संकाय सदस्यों को जोड़ा है। रिपोर्ट की गई अवधि तक 139

विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए INFLIBNET केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें 06 विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शोधगंगा रिपोजिटरी में जमा किए गए शोध प्रबंधों की संख्या बढ़कर 5,59,817+ हो गई है, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 17,052 शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं। 926 (818 विश्वविद्यालय + 108 सीएफटीआई/आईएनआई) ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 25 समझौता ज्ञापनों (23 विश्वविद्यालय + 02 सीएफटीआई) सहित INFLIBNET केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इनफ्लिबनेट केन्द्र इस सफलता को प्राप्त करने में सक्रिय सहयोग के लिए इन परियोजनाओं के सभी नोडल अधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद एवं बधाई देता है।

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, जहां तक आईएसबीएन पोर्टल के माध्यम से आईएसबीएन के आवंटन का सवाल है, कुल 3,377 हितधारकों ने आईएसबीएन पोर्टल पर पंजीकरण कराया, 11,032 आवेदन प्राप्त हुए, और हितधारकों/प्रकाशकों को 1,54,374 आईएसबीएन आवंटित किए गए।

इनफ्लिबनेट केंद्र नियमित रूप से देश भर के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए ऑफ़लाइन/ऑनलाइन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान, केंद्र ने 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 तक और 02 से 06 सितंबर 2024 तक क्रमशः "SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर दो पाँच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (169वाँ और 170वाँ) आयोजित किए। 12 से 14 अगस्त 2024 तक शैक्षणिक संस्थानों के लिए सूचना और साइबर सुरक्षा पर दो (02) तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और 28 से 30 अगस्त 2024 तक शोधगंगा और साहित्यिक चोरी के मुद्दों पर उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किए गए। केंद्र ने 28 अगस्त 2024 को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में "भारत में अनुसंधान और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाएं" विषय पर विश्वविद्यालय शैक्षणिक, अनुसंधान और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए एक विशेष राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। इसके अलावा, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, केंद्र ने शोध–चक्र पर 05 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम और आईएलएमएस पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

पिछले जुलाई 2023 में प्रदान किए गए ORCID वैश्विक भागीदारी कोष के हिस्से के रूप में, INFLIBNET केंद्र ने देश के चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों में "विद्वान समुदायों के लिए ORCID और INFLIBNET सेवाओं पर 05 एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

इनफ्लिबनेट केंद्र ने 27 सितंबर 2024 को "हिंदी पखवाड़ा" के उपलक्ष्य में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया, और प्रोफेसर रमा शंकर दुबे, माननीय कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, संगोष्ठी में मुख्य अतिथि थे। केंद्र ने 15 अगस्त 2024 को अपने परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. मदल्ली ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को एक प्रेरक भाषण दिया। यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को अचानक हृदयाघात से होने वाली मृत्यु दर की बढ़ती संख्या के संदर्भ में जारी की गई सिफारिशों और दिशानिर्देशों के अनुसार, और इसे कम करने के लिए, केंद्र ने जीएमईआरएस गांधीनगर के सहयोग से, 10 सितंबर 2024 को इनफ्लिबनेट केंद्र के सभागार में केंद्र के सभी कर्मचारियों/कर्मचारियों के लिए एक बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) तकनीक प्रशिक्षण का आयोजन किया। इसके अलावा, कर्मचारियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए, इनफ्लिबनेट सेंटर ने 12 सितंबर 2024 को प्लाजा एरिया में सी.एम. पटेल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, सिविल कैंपस, गांधीनगर के विशेषज्ञों/संकाय की मदद से एक फिजियोथेरेपी जागरूकता और परामर्श शिविर का आयोजन किया।

पुस्तकालय के अंतिम उपयोगकर्ताओं और संस्थागत पक्ष की बढ़ती शैक्षणिक और शोध आवश्यकताओं के साथ, केंद्र की यात्रा और जिम्मेदारियाँ बढ़ रही हैं। मैं हमारी सेवाओं को बढ़ाने के लिए आपके विचारशील विचारों और सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ! मुझे उम्मीद है कि पाठकों को INFLIBNET न्यूज़लैटर का यह अंक पढ़ने में मज़ा आएगा।

आप सभी को शुभकामनाएं!

धन्यवाद।

(Prof. Devika P. Madalli)

इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

"SOUL 3.0 : स्थापना और संचालन" पर १६९वां पांच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, २९ जुलाई – २ अगस्त २०२४

"SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर १६९वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम २९ जुलाई – २ अगस्त २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तकनीकी समन्वयक श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस) ने दर्शकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) और सुश्री रोशनी यादव, एसटीओ–आई (एल.एस) क्रमशः समन्वयक और सह–समन्वयक थीं। कुल २२ प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षणिक यात्रा की व्यवस्था की गई थी। इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय और संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

SOUL 3.0 : स्थापना और संचालन पर १६९वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

मॉड्यूल	संसाधन व्यक्ति
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–ई (सी.एस.)
कैटलॉग मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच.जी. होसामनी, सलाहकार
सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
SOUL 3-0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
SOUL 3-0 इंस्टालेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
सभी मॉड्यूल का प्रैक्टिकल	श्री विराज पारेख, लाइब्रेरी ऑफिसर (एल.एस) श्री राजन पांडे, लाइब्रेरी एसोसिएट (एल.एस) सुश्री रोज़ मैरी, लाइब्रेरी असिस्टेंट (एल.एस)

समापन सत्र में, श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। डॉ. एच.जी. होसामनी, सलाहकार ने कार्यक्रम पर सकारात्मक समापन टिप्पणियों के साथ अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए।

शैक्षणिक संस्थानों के लिए सूचना और साइबर सुरक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, १२ – १४ अगस्त २०२४

शैक्षणिक संस्थानों के लिए सूचना एवं साइबर सुरक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला १२ से १४ अगस्त २०२४ तक गांधीनगर स्थित इनफ्लिबनेट केंद्र में आयोजित की गई। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) श्री मनोज कुमार के ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र के दौरान श्रीमती हेमा चोलिन वैज्ञानिक–बी ने प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। श्री राजा वी. वैज्ञानिक–सी (सी.एस) ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी और श्री धर्मेश कुमार ए शाह वैज्ञानिक–बी (सी.एस) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सुरक्षा की अवधारणाओं को समझने में प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को सूचना और साइबर सुरक्षा में बढ़ते खतरों और कमजोरियों के बारे में शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता बढ़ाने में मदद की।

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी स्टाफ के साथ साइबर सुरक्षा कार्यशाला के प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

विषय	विशेषज्ञ
इनफ्लिबनेट की गतिविधियों का परिचय	श्री अशोक कुमार राय, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
जोखिम प्रबंधन/रिस्क मेनेजमेंट के रूप में सूचना सुरक्षा का परिचय	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
सूचना सुरक्षा की विशेषताओं और लाभों को समझना	श्री धर्मेशकुमार ए. शाह, वैज्ञानिक–बी (सी.एस)
प्रैक्टिकलः सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना	प्रैक्टिकल टीम
संगठनात्मक सुरक्षा नीति के बारे में जागरूकता	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
VAPT की अवधारणा को समझना	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शैक्षणिक समुदायों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता और सर्वोत्तम अभ्यास	श्री गौरव प्रकाश, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
प्रैक्टिकलः वेबसाइट, फ़ायरवॉल, एसएसएल, सीएमएस कार्यान्वयन और सुरक्षा का निर्माण	प्रैक्टिकल टीम
एप्लिकेशन और डेटाबेस स्तर की सुरक्षा	प्रो. हर्षल अरोलकर, जीएलएस विश्वविद्यालय
सुरक्षा के लिए पहचान और पहुँच प्रबंधन समाधान	श्री राजा वी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)

समापन सत्र में, श्री अशोक कुमार राय, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। डॉ. एच.जी. होसामनी, सलाहकार ने समापन सत्र में स्वागत भाषण दिया। श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (एल.एस) ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और समापन सत्र का समन्वय किया। कार्यक्रम में कुल ०६ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शोधगंगा और साहित्यिक चोरी के मुद्दों पर तीन दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, २८–३० अगस्त २०२४

शोधगंगा और साहित्यिक चोरी के मुद्दों पर तीन दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम २८ से ३० अगस्त २०२४ तक गांधीनगर स्थित इनफ्लिबनेट केंद्र में आयोजित किया गया। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) ने कार्यक्रम का समन्वय किया और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने इस आयोजन के महत्व पर जोर दिया, जिसने सभी प्रतिभागियों को एक साथ लाया और प्रतिकूल मौसम के बावजूद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उनके समर्पण को दर्शाया। उन्होंने एक संक्षिप्त कार्यक्रम अवलोकन प्रदान किया और यूजीसी की नीतियों और दिशानिर्देशों को रेखांकित किया, जिसमें शैक्षणिक समुदाय के भीतर साहित्यिक चोरी के मुद्दों को संबोधित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शोधगंगा का एक नया संस्करण जल्द ही बेहतर पहुंच के साथ उन्नत और अद्यतन नई सुविधाओं के साथ पेश किया जाएगा।

डॉ. सुरभि ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के अंत में श्री राजन कुमार ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय तथा संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

विषय	**विशेषज्ञों का नाम**
इनफ्लिबनेट गतिविधियों का अवलोकन	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोध नैतिकता/शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों का परिचयः यूजीसी की नीतियां और दिशानिर्देश	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोधगंगा/पीडीएस/शोधशुद्धि का परिचय	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक सी (एल.एस)
शोधगंगा में डबलिन कोर और मेटाडेटा संरचना का परिचय	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक सी (एल.एस)
ड्रिलबिट एक्सट्रीम प्लेगियरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर पर डेमो	श्री जयन्ना बेलवाडी (ड्रिलबिट एक्सट्रीम)
डीस्पेस का परिचय और आईआर निर्माण में तकनीकी जानकारी	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
शोधगंगोत्री का परिचय अनुसंधान प्रगति/सारांश एम.आर.पी/पी.डी.एफ/एमेरिटस फेलोशिप	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोधगंगा में शोध प्रबंध सबमिशन पर डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोधचक्र का परिचयः शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
ऑल्टमेट्रिक्स का परिचय	श्री पल्लब प्रधान वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोगः मेंडली और शोध रिपोर्ट लिखना और ऑल्टमेट्रिक्सः अवलोकन	श्री पल्लब प्रधान वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोधगंगा में विश्वविद्यालय समन्वयकों की भूमिकाएं और विशेषाधिकार	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
पीडीएस/शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी स्टाफ के साथ शोधगंगा और साहित्यिक चोरी मुद्दे कार्यशाला के प्रतिभागी

कार्यक्रम में भारत भर के बारह राज्यों से कुल ४० प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर, मेंटीमीटर के साथ एक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें व्याख्यानों से संबंधित २० प्रश्न पूछे गए। कार्यक्रम के अंत में, सभी उपस्थित लोगों को सहभागीता प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

"SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर १७०वां पांच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, ०२–०६ सितंबर २०२४

SOUL 3.0: स्थापना और संचालन पर १७०वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर

"SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर १७०वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में ०२ से ०६ सितंबर २०२४ तक आयोजित किया गया। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस), और श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस), क्रमशः संयुक्त पाठ्यक्रम समन्वयक थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल १४ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

मॉड्यूल	**संसाधन व्यक्ति**
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसामनी, पूर्व वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.)
कैटलॉग मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच.जी. होसामनी, सलाहकार
सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
SOUL 3-0 इंस्टालेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
SOUL 3-0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
सभी मॉड्यूल का प्रैक्टिकल	श्री राजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस) श्री रोज़मेरी, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस) श्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस) श्री हर्षा पारीक, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस)

समापन सत्र में, श्री अशोक कुमार राय, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ एच.जी. होसामनी, सलाहकार ने अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए और कार्यक्रम पर सकारात्मक समापन टिप्पणी की। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए "भारत में अनुसंधान और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर विशेष राज्य-स्तरीय कार्यशाला, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, २८ अगस्त २०२४

इनफ्लिबनेट केंद्र ने मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के सहयोग से २८ अगस्त २०२४ को ग्रीन टेक्नोलॉजी ऑडिटोरियम, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए "भारत में अनुसंधान और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर अपनी पहली विशेष राज्य–स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली ने दर्शकों को संबोधित किया और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के कुलपति डॉ. रवींद्र डी. कुलकर्णी के साथ इनफ्लिबनेट के शोध कोने का अनावरण किया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–ई (सी.एस) डॉ. अभिषेक कुमार ने कार्यशाला के दौरान संसाधन व्यक्ति के रूप में "इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ" विषय पर सत्र दिए।

शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र ने शोध-चक्र पर निम्नलिखित ०५ संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन और ऑफलाइन) आयोजित किए।

क्रम	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	इनफ्लिबनेट से संसाधन व्यक्ति
१	एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता	१६-०७-२०२४	६८	सुश्री वैष्णवी इंगले
२	स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई	०५-०८-२०२४	१	सुश्री वैष्णवी इंगले
३	महिला क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई	२६-०८-२०२४	३६	सुश्री वैष्णवी इंगले
४	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	१४-०६-२०२४	–	सुश्री वैष्णवी इंगले
५	संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती	१६-०६-२०२४	६७	सुश्री वैष्णवी इंगले

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान आईएलएमएस पर निम्नलिखित ०३ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्रम	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञों	प्रतिभागियों की संख्या
१	संस्कृति विश्वविद्यालय	०५-०७-२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	२००
२	मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर	११-०७-२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	१५
३	चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय	१६-०७-२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	२०

ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID वैश्विक भागीदारी निधि)

पिछले जुलाई २०२३ में प्रदान की गई ORCID वैश्विक भागीदारी निधि के भाग के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने तालिका में सूचीबद्ध रिपोर्ट अवधि के दौरान देश भर में क्षेत्रवार चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों में ORCID और विद्वान समुदायों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाओं पर ०५ एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच अकादमिक पहचान, यानी ORCID के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और इनफ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न सेवाओं और गतिविधियों, विशेष रूप से IRINS और शोध–चक्र आदि के बारे में उनके बीच अधिक जागरूकता लाना है। प्रत्येक एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान चार सत्र दिए गए: ORCID और अकादमिक पहचान, भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS), शोध–चक्र: संसाधनों के लिए शोधकर्ताओं का प्रवेश द्वार, और इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ।

क्रम	कार्यक्रम दिनांक	मेजबान विश्वविद्यालय/संस्था	संसाधन व्यक्ति	कुल प्रतिभागी
१	०२ जुलाई २०२४	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	डॉ अभिषेक कुमार, श्री पल्लब प्रधान	१५०
२	२३ जुलाई २०२४	सेंट जेवियर्स कॉलेज, पलायमकोट्टई, तमिलनाडु	डॉ. कन्नन पी., और श्री हितेशकुमार सोलंकी	१२८
३	२७ जुलाई २०२४	भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा	डॉ कन्नन पी., और श्री हितेशकुमार सोलंकी	१३०
४	१० अगस्त २०२४	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	डॉ. कन्नन पी., और डॉ. अभिषेक कुमार	११४
५	२७ सितंबर, २०२४	जम्मू विश्वविद्यालय, तवी, जम्मू और कश्मीर	डॉ. कन्नन पी., और डॉ. अभिषेक कुमार	१३१

१२वां सम्मेलन प्लानर २०२४, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश: रिपोर्ट

परिचय

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना (प्लानर) एक द्वि–वार्षिक सम्मेलन है जो विशेष रूप से भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में पुस्तकालय पेशेवरों के लिए आयोजित किया जाता है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य उन्हें पुस्तकालय स्वचालन, नेटवर्किंग और सूचना सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से उभरते रुझानों, प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों से अवगत कराना है। सम्मेलन का फोकस उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में शैक्षणिक पुस्तकालयों का उत्थान करना है। १२वां सम्मेलन उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना (प्लानर) २०२४ राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में १६ से २१ सितंबर २०२४ तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह पहली बार था जब इनफ्लिबनेट केंद्र ने अरुणाचल प्रदेश के उत्तर–पूर्वी राज्य में राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर में प्लानर सम्मेलन की मेजबानी की, जिससे यह और भी खास हो गया।

विषय–वस्तु

प्लानर २०२४ का मुख्य विषय निम्नलिखित उप–विषयों के साथ "एआई युग में पुस्तकालयः अनुप्रयोग और परिप्रेक्ष्य" थाः

- एआई और पुस्तकालय
- सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए पुस्तकालयों की भूमिका
- स्वदेशी ज्ञान और पुस्तकालय

प्री–कॉन्फ्रेंस ट्यूटोरियल

प्लानर २०२४ का १२वां सम्मेलन १६ सितंबर २०२४ को सुबह १०:३० बजे मिनी–ऑडिटोरियम, राजीव गांधी विश्वविद्यालय में आयोजित प्री–कॉन्फ्रेंस ट्यूटोरियल के साथ शुरू हुआ। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) श्री अशोक कुमार राय ने भाषण दिया। "ई–रिसोर्स मैनेजमेंट एंड डिस्कवरी सर्विसेज" पर पहले ट्यूटोरियल की अध्यक्षता डॉ. विजयकुमार एम., यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी ने की। श्री राय ने विस्तार से बात की और भारत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए क्रमशः ई–शोध सिंधु (ईएसएस) और नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कंटेंट (एनएलआईएसटी) जैसे राष्ट्रीय पहलों में इनफ्लिबनेट केंद्र के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने इन्फिस्टैट, इनफेड और ईएसएस–नॉलेज फाइंडर जैसे ईएसएस के उप–उत्पादों के बारे में बात की और बताया कि किस प्रकार ये उपयोग की निगरानी, एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन (ऑफ–कैंपस एक्सेस) और डिस्कवरी सेवाओं को सक्षम करने के लिए महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बन गए हैं, जिसने वास्तव में भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण, सीखने और अनुसंधान आवश्यकताओं का समर्थन करने में पुस्तकालयों को उन्नत और सशक्त बनाया है।

दूसरे प्री–कॉन्फ्रेंस ट्यूटोरियल की अध्यक्षता श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने की, जिसमें सुश्री शॉना सैडलर, व्ब्प्क, और डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एलएस), इनफ्लिबनेट सेंटर, सत्र के संसाधन व्यक्ति थे। ORCID

का प्रतिनिधित्व करने वाली सुश्री शीला ने समुदाय द्वारा संचालित होने के कारण दुनिया भर में व्ब्प्क की लोकप्रियता और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि २५० देशों में ६.३४ मिलियन से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत यूके, चीन और यूएसए के बाद चौथा सबसे बड़ा समूह है। उन्होंने यह भी बताया कि व्ब्प्क दुनिया भर में उच्च शिक्षा संस्थानों को वित्त पोषण प्रदान करता है, जिसमें इनफ्लिबनेट सेंटर, आईआईटी दिल्ली और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय भारत में लाभार्थी हैं, और आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी जोधपुर और इनफ्लिबनेट केंद्र भारतीय उपमहाद्वीप से इसके सदस्य हैं। अपने समापन भाषण में, उन्होंने भविष्य के लिए ओआरसीआईडी के लक्ष्यों, विशेष रूप से वैश्विक भागीदारी कार्यक्रमों, संघ सदस्यता और इसके लाभों पर विस्तार से बात की। इसके बाद, इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–ई (एलएस) डॉ. कन्नन पी. ने "भारत के लिए ORCID कंसोर्टियम के लाभ" पर एक सत्र दिया और इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा विकसित समृद्ध और संसाधनपूर्ण शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्रों, अर्थात विद्वान, आईआरआईएनएसएस, शेरनी, शोधचक्र, इंडकैट और शोधगंगा के साथ ओआरसीआईडी को एकीकृत करने की क्षमता को सामने रखा।

मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन डॉ. लाललाईसांगज़ुआली ने तीसरे प्री–कॉन्फ़्रेंस ट्यूटोरियल की अध्यक्षता की। नेशनल फ़ोरेंसिक साइंसेज़ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. मितेशकुमार पंध्या ने "रिसर्च डेटा मैनेजमेंटः पॉलिसी, प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स" पर प्रस्तुति दी। अपने सत्र में डॉ. पंड्या ने रिसर्च डेटा मैनेजमेंट, डेटा मैनेजमेंट प्लान, मॉडल डेटा एक्सेस पॉलिसी और नेशनल रिसर्च डेटा रिपॉजिटरी के विभिन्न पहलुओं पर बात की। उन्होंने डेटावर्स ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा विकसित नेशनल रिसर्च डेटा रिपॉजिटरी (NRDR) के पोर्टल का भी प्रदर्शन किया।

उद्घाटन समारोह

प्लानर २०२४ का उद्घाटन समारोह १६ सितंबर २०२४ की शाम को राजीव गांधी विश्वविद्यालय (आर.जी.यू) के विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आभार व्यक्त किया गया तथा जीवन की ऊर्जा को प्रज्वलित करने वाले औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित किए गए, जिसके तुरंत बाद अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अरुणाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल तथा आर.जी.यू के मुख्य रेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक, पी.वी.एस.एम, यू.वाई.एस.एम, वाई.एस.एम (सेवानिवृत्त) को राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाह ने एक पौधा, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतीकात्मक प्रतिमा तथा एक पारंपरिक शॉल भेंट कर सम्मानित किया। आयोजकों तथा मेजबान के बीच अभिवादन के आदान–प्रदान के पश्चात इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाह को सम्मानित किया। राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर साकेत कुशवाहा ने इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली को सम्मानित किया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–ई (एल.एस) (सेवानिवृत्त) और प्लानर २०२४ के संयोजक डॉ एचजी होसामणि ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ एन टी रिकम को सम्मानित किया। राजीव गांधी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ एन.टी. रिकम ने मुख्य वक्ता प्रोफेसर एआरडी प्रसाद को सम्मानित किया। प्लानर 2024 के संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. डी.के. पांडे ने डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एलएस) को सम्मानित किया। प्लानर 2024 के आयोजन सचिव डॉ. एस.के. जेना को श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस), इनफ्लिबनेट केंद्र और प्लानर २०२४ के संयुक्त संयोजक ने सम्मानित किया। इसके बाद, राजीव गांधी विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष और

प्लानर 2024 के आयोजन सचिव डॉ. एस.के. जेना ने मुख्य अतिथि, कुलपति, विशिष्ट अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों और कर्मचारियों, आरजीयू अधिकारियों, प्रतिभागियों, आमंत्रितों, पुस्तकालयाध्यक्षों, विद्वानों, छात्रों और कार्यक्रम शुरू करने के लिए उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गर्मजोशी से भरे स्वागत भाषण के साथ सत्र की शुरुआत की। आभार व्यक्त करते हुए, इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली ने द्विवार्षिक सम्मेलन प्लानर पर प्रकाश डाला।

डीआरटीसी, बैंगलोर के प्रमुख और प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) प्रो. ए.आर.डी. प्रसाद ने विचारोत्तेजक और व्यावहारिक भाषण के साथ तीन दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत की। राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाह ने बड़ी खुशी और गर्मजोशी के साथ सभा का स्वागत किया। अरुणाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल, मुख्य अतिथि और आरजीयू के मुख्य रेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त) ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत दुनिया भर और भारत में पुस्तकालयों के इतिहास और ज्ञान और सूचना के संरक्षक के रूप में उनकी भूमिका के साथ की, जैसा कि आज तक की पीढ़ियों के माध्यम से वेदों के अस्तित्व में देखा गया है। सम्मेलन के विषय पर विचार करते हुए, उन्होंने एसडीजी को प्राप्त करने में पुस्तकालयों की भूमिका, देश में पुस्तकालयों और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए आने वाले अवसरों और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत 2047 की दिशा में देश और विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के लिए इसके लाभों पर विचार किया। उन्होंने RGU को PLANNER 2024 की मेजबानी करके और शोधकर्ताओं, पुस्तकालयाध्यक्षों, प्रौद्योगिकीविदों और विद्वानों के लिए एक उत्कृष्ट मंच स्थापित करने के लिए इस महत्वपूर्ण कदम के लिए बधाई दी क्योंकि पुस्तकालय सूचना के संरक्षक से ज्ञान सृजन, शिक्षा और अनुसंधान के सुविधादाता में बदल रहे हैं। प्रौद्योगिकी और एआई के एकीकरण के साथ और सामुदायिक केंद्रों के रूप में आकार लिया, विशेष रूप से देश के इस सुदूर भाग अरुणाचल प्रदेश और पूरे उत्तर–पूर्व में। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में एआई के महत्व और इसकी प्रासंगिकता को जोड़ा। अरुणाचल प्रदेश वर्तमान में जिस तकनीकी विकास पथ पर है और अरुणाचल प्रदेश में बदलाव के लिए शिक्षा की भूमिका की जानकारी देते हुए, उन्होंने आयोजकों और मेजबान की सराहना की और उन्हें बधाई दी और नई तकनीकों को अपनाने के साथ अपनी पहचान को संरक्षित करने के महत्व के एहसास के साथ सम्मेलन की शानदार सफलता की कामना की।

उद्घाटन समारोह का समापन डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एलएस) (सेवानिवृत्त), इनफ्लिबनेट केंद्र और संयोजक, प्लानर २०२४ की ओर से सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रकाशकों और प्रायोजकों को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं और उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और मुख्य अतिथि, आयोजकों, विदेशी प्रतिनिधियों, वैधानिक अधिकारियों, आर.जी.यू और कन्वेंशन टीम के सदस्यों के साथ फोटो सेशन हुआ।

उसी दिन शाम को आर.जी.यू बिरादरी और छात्र समूहों द्वारा आयोजित एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम देखा गया, जिसका समन्वय आरजीयू के डॉ. मोयर रीबा और डॉ. वर्षा पटनायक ने खूबसूरती से किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विविधता और परंपरा का अद्भुत उत्सव दिखाया गया।

तकनीकी सत्र और प्रस्तुतियाँ

प्लानर २०२४ के १२वें सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत डीआरटीसी, बैंगलोर के पूर्व प्रमुख और प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) प्रो. ए. आर.डी. प्रसाद के मुख्य भाषण से हुई। अपने व्याख्यान में, उन्होंने एआई, लार्ज लैंग्वेज मॉडल, बिग डेटा और सिमेंटिक वेब के विकास पर एक शानदार व्याख्यान दिया, साथ ही पारंपरिक एआई, एफओपीएल और प्राकृतिक भाषा प्रक्रियाओं की अवधारणाओं को मशीन और डीप लर्निंग के साथ याद किया, जिसके कारण डेटा–संचालित एआई अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला का विकास हुआ। अपने समापन भाषण में, उन्होंने इस बात पर प्रासंगिक प्रश्न उठाए कि शिक्षकों और शोधकर्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने वाले विशिष्ट एआई अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता क्यों है, साथ ही उनके अनुकूलन में आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बताया।

सम्मेलन के दूसरे और तीसरे दिन सम्मेलन के विषयों और उप–विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों की निम्नलिखित श्रेणियाँ देखी गईं। सभी प्रस्तुतियां अत्यंत आकर्षक थीं और प्रस्तुतकर्ताओं को दर्शकों के साथ टिप्पणियों, प्रश्नों और स्पष्टीकरणों के साथ लाइव बातचीत का अनुभव प्राप्त हुआ।

तीसरे दिन, तकनीकी सत्र के बाद, सम्मेलन के विषयः एआई युग में पुस्तकालयः अनुप्रयोग और परिप्रेक्ष्य पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। डॉ डी.वी. सिंह, पूर्व विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ टी.एस. कुंभार, लाइब्रेरियन, आईआईटी गांधीनगर; प्रो. पिजुषकांति पाणिग्रही, डीएलआईएस, कलकत्ता विश्वविद्यालय और संपादक, आईएएसएलआईसी बुलेटिन; और प्रो. रवींद्र कुमार महापात्रा, डीएलआईएस, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा पैनलिस्ट थे।

समापन सत्र

प्लानर २०२४ के १२वें सम्मेलन का समापन सत्र आर.जी.यू के मल्टी–यूज कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के कुलपति (स्वतंत्र प्रभार) प्रोफेसर प्रवाकर रथ ने की। प्रोफेसर नरेंद्र लाहकर, आई.ए.एस.एल.आई.सी के अध्यक्ष; प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, डीएलआईएस, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और आई.ए.एस.एल. आई.सी जोन ५ के उपाध्यक्ष; डॉ जे.जे.थबाह, संकाय सदस्य, डीएलआईएस, एन.ई.एच.यू; डॉ एफ.आर. सुमेर, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, एन.ई.एच.यू और रैपोर्टर जनरल, प्लानर 2024; और डॉ तिलक हजारिका, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएलआईएस, कॉटन विश्वविद्यालय ने मंच साझा किया। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रोशन लाल रैना ने समापन सत्र के दौरान एक विचारपूर्ण और प्रेरक वीडियो संदेश के साथ सभा को संबोधित किया। उनकी अंतर्दृष्टि ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान क्षेत्र में शैक्षणिक नवाचार और सहयोग के भविष्य की दिशा तय की।

सत्र में रैपोर्टर जनरल ने प्लानर २०२४ कन्वेंशन की रिपोर्ट का एक अंश प्रस्तुत किया। प्रो. रथ ने एल.आई.एस के सभी मोर्चों पर बदलती जरूरतों और चुनौतियों के अनुकूल ढलने की अपील के साथ सभा को संबोधित किया और एलआईएस पेशेवरों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर इस संबंध में उत्कृष्टता हासिल करने का भरोसा जताया। डॉ. सुमेर ने अपना धन्यवाद ज्ञापन दिया। विभिन्न व्यक्तियों, संघों और संगठनों से प्राप्त मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग तथा सम्मानित प्रायोजकों, जैसे कि उत्तर पूर्वी परिषद, राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (प्वैट), और कॉर्पोरेट प्रायोजकोंः एल्सेवियर और मायलोफ्ट आदि के उदार योगदान को डॉ. सुमेर ने अपने संबोधन में स्वीकार किया।

तीन दिवसीय कन्वेंशन का समापन आयोजन स्थल पर मौजूद सभी लोगों की ओर से खुशी और बधाई संदेशों के साथ हुआ। कन्वेंशन ने नवाचार, ज्ञान साझाकरण और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक यात्रा की परिणति को चिह्नित किया।.

सिफारिशें

आर.जी.यू, ईटानगर में आयोजित प्लानर २०२४ सम्मेलन के विषय पर चर्चा और विचार–विमर्श से निम्नलिखित सिफारिशें सामने आई हैं।

- उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एआई साक्षरता पहल और पुस्तकालयों की भूमिकाः डिजिटल सूचना क्षेत्र और पुस्तकालय और सूचना केंद्रों की तैयारी में एक महत्वपूर्ण अंतर है; इसलिए, इस मुद्दे को उचित तत्परता के साथ संबोधित करने की आवश्यकता है। एलआईएस के स्कूलों और एलआईएस में पेशेवर संघों को इस अंतर को दूर करने की दिशा में सही दृष्टिकोण से अपनी–अपनी भूमिका निभानी होगी।
- उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई नीतिः देश के विश्वविद्यालयों ने अभी तक पुस्तकालयों में सोशल मीडिया नीति को लागू नहीं किया है,। इसलिए, यह मददगार होगा यदि राष्ट्रीय सूचना नीति 2020 के आलोक में ऐसी एक आदर्श नीति विकसित की जाए ताकि पुस्तकालय इस संबंध में चुनौतियों का समाधान कर सकें।
- एनईपी २०२० की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालयों की तैयारीः अधिकांश पुस्तकालय स्कूलों ने एनईपी २०२० की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है और उनके कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों पर हैं। चूंकि एनईपी 2020 की आवश्यकताएं और अपेक्षाएं बहुआयामी हैं, इसलिए एलआईएस स्कूलों को एल.आई.एस के क्षेत्र में नीति की अपेक्षाओं को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। एल.आई.एस में पेशेवर निकायों को भी इस संबंध में विशिष्ट अंतराल को पूरा करने के लिए आगे आना चाहिए।

- एल.आई.एस पेशेवर संघों की भूमिका: यह देखा गया है कि देश में डिजिटल डोमेन में एलआईएस पेशेवर संघों की उपस्थिति बहुत कम है; इसलिए, यह वकालत की जाती है कि संघ अपनी गतिविधियों और सेवाओं को डिजिटल स्पेस के क्षितिज तक बढ़ाएँ।

इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

शोध–चक्र: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार

शोध–चक्र, यूजीसी के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जिसका उद्देश्य अकादमिक समुदाय को उनके शोध जीवन चक्र के दौरान मदद करना है। शोध–चक्र, शोधकर्ता, मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक और विश्वविद्यालय को शोधार्थी के शोध जीवन चक्र का प्रबंधन करने के लिए एक अनूठा स्थान प्रदान करता है। यह पोर्टल लाखों संसाधनों (पूर्ण–पाठ थीसिस सहित) और शोध कार्य के दौरान शोधकर्ता के लिए आवश्यक उपकरणों से एकीकृत है। शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ कुल १३६ विश्वविद्यालयों ने पहले ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें ०६ विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ०६ विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम	संस्थानों/विश्वविद्यालयों का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि	इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि
१	बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल	२४–०६–२०२४	०७–०५–२०२४
२	स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई	१०–०७–२०२४	२३–०७–२०२४
३	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर	२२–०७–२०२४	०५–०८–२०२४
४	राँची विश्वविद्यालय, राँची	२४–०७–२०२४	०६–०८–२०२४
५	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर		०३–०९–२०२४

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर को पंजीकरण, आवेदन और आई.एस.बी.एन के आवंटन के साथ–साथ आई.एस.बी.एन पोर्टल के तकनीकी रखरखाव सहित अपनी दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंधन और निष्पादन का कार्य दिया गया है। रिपोर्ट की गई अवधि (०१ जुलाई २०२४ से ३० सितंबर २०२४) के दौरान, ३,३७७ हितधारकों ने आई.एस.बी.एन पोर्टल पर पंजीकरण किया, जहां ११,०३२ आवेदन प्राप्त हुए और हितधारकों/प्रकाशकों को १,५४,३७४ आई.एस.बी.एन आवंटित किए गए।

VIDWAN@विद्वान और भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस)

VIDWAN डेटाबेस में रिपोर्ट की गई अवधि तक २०,८०४ संस्थानों में कार्यरत २,६३,४५३ से अधिक संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों की विस्तृत प्रोफ़ाइल शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आर.आई.एम) सेवा है जो भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा प्रदान की जाती है। आई.आर.आई.एन.एस शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वानों की संचार गतिविधियों को एकत्र करने, संचालन करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है और विद्वानों का नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है। इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि तक संस्थानों के लिए १,३१५ आई.आर.आई.एन.एस इंस्टेंस बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान बनाए गए ८७ आई.आर.आई.एन.एस इंस्टेंस शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस ने इस परियोजना के माध्यम से २,०२,१६१ संकाय सदस्यों को जोड़ा है। परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से २८.०८ लाख+ (२८,०८,६६५) प्रकाशन मेटाडेटा प्राप्त किए, २५१ लाख+ (२,५१,६५,५३६) उद्धरण प्राप्त किए, और रिपोर्ट की गई अवधि तक ६६.६६ लाख+ (६६,६६,२३६) ऑल्टमेट्रिक्स उल्लेख प्राप्त किए।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (टी.जी. पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को किसी भी कार्यालय में जाए बिना देश में कहीं से भी प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने में सक्षम बनाता है। केंद्र ने समझौता ज्ञापन के अनुसार सेवाएं जारी रखी हैं। नीचे दी गई तालिका रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों, जारी किए गए प्रमाण पत्रों और पहचान पत्रों आदि की संख्या के बारे में आँकड़े दिखाती है।

ट्रांसजेंडर पोर्टल जुलाई – सितंबर २०२४	
श्रेणी	आवेदनों की संख्या
प्राप्त आवेदन	१८३०
अपात्र आवेदन	१७६
जारी किए गए प्रमाण पत्र	१०२५
जारी किए गए पहचान पत्र	१०२५

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एन.आई.एस.डी) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग ने जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टरों के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ०२ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। डॉ. अभिषेक कुमार और उनकी टीम इनफ्लिबनेट केंद्र के संसाधन व्यक्ति थे। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के कामकाज के बारे में जागरूक करना और ट्रांसजेंडर प्रमाणपत्र और आईडी कार्ड जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं और तकनीकी मुद्दों को स्पष्ट करना था।

क्रम	राज्य	दिनांक
१	असाम	१०–०७–२०२४

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ) के तहत भारत रैंकिंग २०२४ जारी की गई

इनफ्लिबनेट केंद्र ने भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की एन.आई.आर.एफ यानी भारत रैंकिंग २०२४ का ६वां अभ्यास पूरा किया है। केंद्र ने एन.आई.आर.एफ के कई मॉड्यूल विकसित किए हैं, जैसे डेटा कैप्चरिंग सिस्टम, फीडबैक सिस्टम, रैंकिंग मॉड्यूल और रिसर्च डेटा समावेशन। श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार ने १२ अगस्त २०२४ को भारत मंडपम, नई दिल्ली में भारत रैंकिंग २०२४ जारी की। इस अवसर पर भारत सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुकांत मजूमदार और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा सचिव श्री के. संजय मूर्ति, यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम, एनईटीएफ के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे, एनबीए के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा, उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव श्री सुनील कुमार बरनवाल और संयुक्त सचिव श्री गोविंद जायसवाल भी मौजूद थे। इस अवसर पर अन्य शिक्षाविद्, संस्थाओं के प्रमुख आदि भी उपस्थित थे।

शोधगंगा: भारतीय शोध प्रबंधों का भण्डार

वर्ष २०२४ की तीसरी तिमाही शोधगंगा के लिए उल्लेखनीय अवधि है, क्योंकि इसमें विश्वविद्यालयों/सीएफटीआई/आईएनआई आदि से पीएचडी शोध प्रबंधों को शामिल किया गया है। भारतीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण–पाठ शोध प्रबंधों का भण्डार शोधगंगा ने उत्तरोत्तर वृद्धि की है, जिसमें रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि अर्थात् जुलाई–सितंबर २०२४ के दौरान कुल ५,५६,८१७ पूर्ण–पाठ शोध प्रबंध और १७,०५२ शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं (चित्र १)।

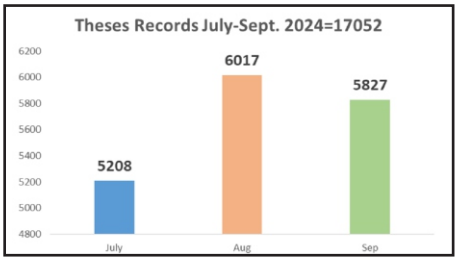

चित्र १: शोधगंगा पर अपलोड किए गए शोध प्रबंध

इस प्रकार, ३० सितंबर २०२४ तक, कुल ६२६ (८१८ विश्वविद्यालय + १०८ सीएफटीआई/आईएनआई) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 25 समझौता ज्ञापन (२३ विश्वविद्यालय + ०२ सीएफटीआई) हुए, जिससे शोधगंगा में पूर्ण–पाठ शोध प्रबंधों की संख्या में वृद्धि हुई है।

शोधगंगोत्री

आयुष मंत्रालय के अनुरोध पर शोधगंगोत्री अब पीजी शोध प्रबंधों के लिए भी खुला है। वर्तमान में, रिपॉजिटरी में १३० विश्वविद्यालयों द्वारा योगदान किए गए १४,८८८ सारांश / एमआरपी / पीडीएफ / फेलोशिप / पीजी शोध प्रबंध हैं। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 582 सारांश / एमआरपी / पीडीएफ / फेलोशिप / पीजी शोध प्रबंध जोड़े गए।

शोध शुद्धि और साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

शिक्षा मंत्रालय अपनी पहल शोधशुद्धि के माध्यम से, शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक अखंडता को बढ़ाने और साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय वित्त पोषण के माध्यम से भारत में केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों के साथ–साथ केंद्र द्वारा वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों / राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (सीएफटीआई / आईएनआई) सहित सभी विश्वविद्यालयों को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) तक पहुंच प्रदान करता है , जो ०१ सितंबर २०१६ से प्रभावी है। अक्टूबर २०२३ में, एक नया पीडीएस सॉफ्टवेयर (यानी, ड्रिलबिट एक्सट्रीम) खरीदा गया और ११००+ उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान किया गया।

३० सितंबर २०२४ तक, ११४५ (८४८ सक्रिय) विश्वविद्यालयों / संस्थानों से समानता / साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए ४८,२३,६४२ दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। प्रोजेक्ट शोधशुद्धि में २० अतिरिक्त के साथ हर साल १० लाख दस्तावेज़ों का उपयोग करने की परिकल्पना की गई थी और अब ३० सितंबर २०२४ के अंत तक ४८.२३ लाख दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए।

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस के उपयोग के आँकड़े

रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान पीडीएस में कुल २,००,७८७ दस्तावेज जमा किए गए। चित्र–२ पिछले तीन महीनों (जुलाई=८४२१२, अगस्त=६४०६४, सितंबर=५२५११) में जमा किए गए दस्तावेजों की संख्या दर्शाता है; औसत ६६,९२९ था। चित्र–३ रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की महीनेवार संख्या दर्शाता है। रिपोर्ट के अंतर्गत अवधि के दौरान पीडीएस में कुल ७,८८७ नए उपयोगकर्ता जोड़े गए।

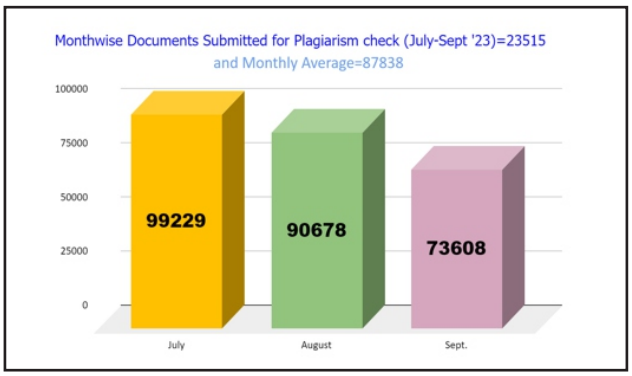

चित्र–२: पीडीएस में माहवार प्रस्तुतियों की संख्या (जनवरी–मार्च २०२४)

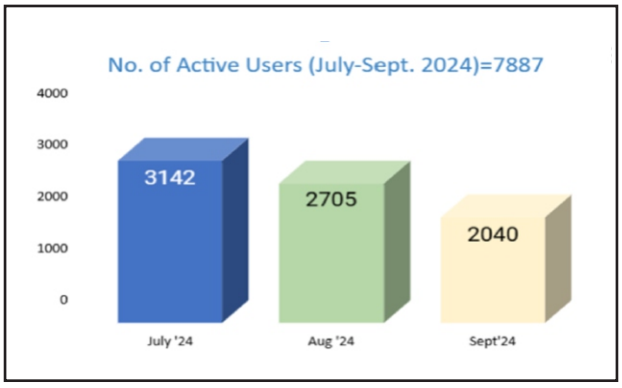

चित्र–३: अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह और इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में प्रो. एस. आर. रंगनाथन की प्रतिमा का अनावरण, १४ अगस्त २०२४

१४ अगस्त २०२४ को, इनफ्लिबनेट केंद्र ने राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया। इस दिन, केंद्र ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन की विरासत को सम्मानित करने के लिए उनकी प्रतिमा/प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर, प्रोफेसर एस.आर. रंगनाथन की प्रतिमा का अनावरण केंद्र के परिसर, गांधीनगर, गुजरात में माननीय डॉ. हर्षद ए. पटेल, कुलपति, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद द्वारा प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली, माननीय निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र, आमंत्रित अतिथि और स्टाफ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।.

उस दिन, इनफ्लिबनेट केंद्र ने अपनी इनफ्लिबनेट सेवाएँ देश के पुस्तकालय क्षेत्र को समर्पित कीं। केंद्र ने अपने इनफ्लिबनेट कॉर्नर और रिसर्च कॉर्नर का अनावरण किया, जिसमें संस्थानों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए बैनर थे, ताकि देश भर में शैक्षणिक और शोध समुदायों में उपयोगकर्ताओं की उंगलियों पर इसकी सभी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। इसके लिए, " इनफ्लिबनेट कॉर्नर" और " इनफ्लिबनेट सेवाओं" के बैनर संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उनके रिसेप्शन क्षेत्र, लाइब्रेरी सर्कुलेशन डेस्क, या शोध अनुभाग/सेल/कक्ष में, जहाँ भी उपयुक्त हो, पुस्तकालयों में लगाए जाने चाहिए, ताकि QR कोड के साथ कोडित सभी इनफ्लिबनेट सेवाएँ सभी तक पहुँच सकें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

इनफ्लिबनेट केंद्र ने १५ अगस्त २०२४ को अपने परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के बाद, उन्होंने उपस्थित लोगों को एक प्रेरक संबोधन दिया। समारोह के दौरान कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न कलात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, यानी नृत्य और गीत प्रस्तुत किए गए, जो हमारे महान राष्ट्र में एकता, विविधता और स्वतंत्रता के सार को उजागर करते हैं। समारोह का समापन औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

इनफ्लिबनेट केंद्र में ७५वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी.एल.एस) तकनीक प्रशिक्षण

यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को अचानक हृदयाघात से होने वाली मृत्यु दर में वृद्धि के संदर्भ में जारी की गई सिफारिशों और दिशा–निर्देशों के अनुसार, तथा इसे कम करने के लिए, इनफ्लिबनेट केंद्र ने जी.एम.ई.आर.एस गांधीनगर के सहयोग से, १० सितंबर २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र के सभागार में केंद्र के सभी कर्मचारियों/स्टाफ के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी.एल.एस) तकनीक प्रशिक्षण का आयोजन किया। डॉ. भारती रजनी, एम.डी के नेतृत्व में जी.एम.ई.आर.एस मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा पेशेवरों ने बी.एल.एस तकनीकों का प्रदर्शन किया।

निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर, परामर्श और उपचार

कर्मचारियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए, इनफ्लिबनेट केंद्र ने १२ सितंबर २०२४ को प्लाजा क्षेत्र में सी.एम. पटेल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, सिविल कैंपस, गांधीनगर के विशेषज्ञों/संकाय की मदद से फिजियोथेरेपी जागरूकता और परामर्श शिविर का आयोजन किया। सत्रों में एक–एक स्क्रीनिंग, बुनियादी फिजियोथेरेपी सलाह और लिगामेंट की चोट, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, आसन से संबंधित मुद्दों आदि के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके बाद, सी.एम. पटेल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी की डॉ. श्वेता रावल और उनकी टीम ने ३० सितंबर २०२४ से ४ अक्टूबर २०२४ तक केंद्र के इच्छुक व्यक्तियों के लिए पांच दिवसीय निःशुल्क फिजियोथेरेपी परामर्श और उपचार शिविर का आयोजन किया।

हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी, १७ सितंबर, २०२४

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र में हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में दिनांक २७ सितंबर, २०२४ के दिन एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में माननीय कुलपति प्रो.रमा शंकर दुबे जी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए थे । डॉ. रोमा असनानी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगोष्ठी में माननीय कुलपति प्रो.रमा शंकर दुबे जी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, माननीय निदेशिका प्रो. देविका पी मडल्ली, श्री हरीश चंद्रा, सदस्य सचिव हिंदी समिति, इनफ्लिबनेट सेंटर, डॉ सुरभि, संयोजक हिंदी उपसमिति को मंच पर आमंत्रित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और प्रार्थना के साथ हुई। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का पुष्प गुच्छ एवं शाल भेंट कर स्वागत किया गया। श्री हरीश चंद्रा, सदस्य सचिव, हिंदी समिति ने अपने स्वागत संबोधन में सभी अतिथिओं का स्वागत किया एवं आमंत्रण स्वीकार करने के लिए आभार प्रकट किया। डॉ. सुरभि कार्यक्रम का विवरण दिया तथा सभी श्रोताओ/दर्शकों को जानकारी दी और संगोष्ठी में भाग लेने के लिए उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

डॉ. रोमा असनानी ने श्रोताओ/दर्शकों को माननीय निदेशक प्रो. देविका पी मडल्ली का परिचय कराया और उन्हें संबोधन करने के लिए आमंत्रित किया। माननीय निदेशिका प्रो. देविका पी मडल्ली ने अपने उद्बोधन में हिन्दी की आवश्यकता और महत्त्व पे जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत इसकी कई भाषाओं में परिलक्षित होती है। भाषा और संस्कृति हमेशा एक–दूसरे से जुड़े रहते हैं। भाषाएँ संस्कृति को व्यक्त करती हैं और समाज को प्रतिबिंबित करती हैं। हमें सभी माताओं और सभी मातृभाषाओं/भाषाओं को सम्मान देने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के दूसरे भाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं हिन्दी काव्य पाठ, नृत्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

डॉ. रोमा असनानी ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो.रमा शंकर दुबे जी, गुजरात केंद्रीय का परिचय कराया और उन्हें संबोधन करने के लिए आमंत्रित किया । उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत माननीय निदेशिका प्रो. देविका पी मडल्ली को हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर इनफ्लिबनेट केंद्र इस तरह के अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए

धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि कैसे लॉर्ड मैकाले के बाद भारतीय शिक्षा प्रणाली की भाषाएँ और शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी में बदल गया। उन्होंने नरसिंह मेहता, वीर नर्मद, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, श्यामलाल गुप्ता, रामप्रसाद बिस्मिल, मदन मोहन मालवीय, जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर आदि लेखकों/कवियों/स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बात की। और हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की उपज है, हिंदी भारतीयता की उपज है! बिना हिंदी हम गुंगे हैं। सबसे बड़े भुभाग में बोले जाने वाली भाषा हिंदी है। अपनी बात को आगे बढाते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस से हमें प्रेरणा मिलती है कि हम हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के प्रति जागरूक हों।

कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित अतिथिगण को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया ।

इस वर्ष भी इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा हिन्दी पखवाड़ा में विभिन्न प्रतितियोगिताओं का आयोजन किया जैसे के अनुवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, श्रुतलेख प्रतियोगिता, हिंदी हस्तलेखन / सुलेख प्रतियोगिता, मुहावरों की प्रतियोगिता इत्यादि।

आमंत्रित अतिथिगण तथा इनफ्लिबनेट केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने कविता पठन, नृत्य प्रस्तुति, रंगोली तथा इस अवसर पर केंद्र के कुछ कर्मचारी द्वारा विभिन्न प्रवृत्तियों में भाग लेनेवाले केंद्र के सभी कर्मचारीगण को प्रमाणपत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस संगोष्टी में केंद्र के लगभग १४० कर्मचारीओ ने भाग लिया।

संगोष्टी के अंत में, डॉ. सुरभि ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव करते हुए उपस्थित सभी मेहमानों, कर्मचारीगण तथा विशिष्ट रूप से माननीय निदेशक प्रो. देविका पी मडल्ली का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं सभी को इस एक दिवसीय संगोष्टी में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

कर्मचारी समाचार

प्रो. देविका पी. माडल्ली , निदेशक

प्रो. देविका पी. माडल्ली को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता / व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- प्रो. देविका पी. माडल्ली को ०३ जुलाई २०२४ को २०२४ से २०२७ तक अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद की वैज्ञानिक समिति, विश्व डेटा सिस्टम के सदस्य के रूप में चुना गया है।

- नेतृत्व और सलाह बोर्ड के सदस्यों में से एक होने के नाते, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने ७ अगस्त २०२४ को बैंगलोर में आयोजित EFT (परिवर्तन के लिए शिक्षा) शिखर सम्मेलन २०२४ के दौरान अपनी अंतर्दृष्टि और ज्ञान साझा किया।

- प्रो. माडल्ली को ५ और ६ सितंबर २०२४ को वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित मेक डेटा काउंट (एमडीसी) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, और एक पैनलिस्ट के रूप में, उन्होंने 'डेटा मूल्यांकन पर संस्थागत फोकस' सत्र में योगदान दिया।'

- १६ से १८ सितंबर २०२४ तक पुर्तगाल के लिस्बन में आयोजित ओपन एक्सेस स्कॉलरली पब्लिशिंग एसोसिएशन (OASPA) २०२४ सम्मेलन में आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में, डॉ. माडल्ली ने इस कार्यक्रम में "ओपन एक्सेसः लेट्स वॉक द टॉक" पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रो. माडल्ली को २३ सितंबर २०२४ को विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (VTU), बेलगावी (बेलगाम), कर्नाटक द्वारा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल, बैंगलोर के सहयोग से आयोजित "ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया थ्रू इंटरनेशनल इंटर्नशिप" पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. देविका पी. माडल्ली, मेक डेटा काउंट (एमडीसी) शिखर सम्मेलन, वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यूके में 'डेटा मूल्यांकन पर संस्थागत फोकस' विषय पर पैनल चर्चा के दौरान

वीटीयू, बेलगावी और आईआईएमएसटीसी, बैंगलोर, कर्नाटक द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप के माध्यम से भारत को बदलना" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम के दौरान प्रो. देविका पी. माडल्ली का व्याख्यान

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)

श्री मनोज कुमार के. को २३ सितंबर २०२४ से ३० सितंबर २०२४ तक एम.एम.टी.टी.सी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एम. ओ.ओ.सी. और ई–सामग्री विकास पर ऑनलाइन यूजीसी प्रायोजित लघु अवधि कार्यक्रम के दौरान ३० सितंबर २०२४ को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और "शोध नैतिकता एमओओसी पाठ्यक्रम का विकास" विषय पर प्रस्तुति दी गई।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)

डॉ. अभिषेक कुमार को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया थाः

- ०५ जुलाई २०२४ को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर के यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित 32वें ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्सः लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस के दौरान ई–लर्निंगः कंटेंट क्रिएशन एंड इट्स प्लेटफॉर्म पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।.
- ०२ अगस्त २०२४ को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा में शिक्षण और अनुसंधान में आईसीटी एकीकरण पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- ०३ अगस्त २०२४ को मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय शोध और अध्ययन संस्थान (एमआरआईआईआरएस), फरीदाबाद द्वारा आयोजित "ई–लर्निंग कंटेंट क्रिएशन और होस्टिंग शोध–चक्र" पर एक कार्यशाला के दौरान ई–लर्निंग, कंटेंट क्रिएशन और होस्टिंग शोध–चक्र पर एक व्याख्यान दिया।
- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नॉर्थ–ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग द्वारा आयोजित १७वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (गुरु–दक्षता) के दौरान १७ अगस्त २०२४ को भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) और शोध–चक्र पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए, तथा २४ अगस्त २०२४ को ई–लर्निंगः निर्माण और होस्टिंग के लिए सामग्री और आईसीटी–प्रौद्योगिकी पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए।
- १४ सितंबर २०२४ को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित एनईपी–ओरिएंटेशन और संवेदीकरण कार्यक्रम के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- २४ सितंबर २०२४ को ई–लर्निंगः सामग्री निर्माण और इसके प्लेटफॉर्म और २५ सितंबर २०२४ को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, डीएवीवी इंदौर द्वारा आयोजित ११वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान शोध–चक्र पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

⏭ २५ सितंबर २०२४ को ई–लर्निंगः सामग्री निर्माण और इसके प्लेटफॉर्म और ३० सितंबर २०२४ को शोध विद्वानों के लिए ई–संसाधन, यूजीसी प्रायोजित लघु अवधि कार्यक्रम के दौरान, एमओओसी और ई–सामग्री विकास, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में प्रस्तुत किया।

⏭ २८ सितंबर २०२४ को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर द्वारा आयोजित शिक्षा और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के दौरान शोध–चक्र और आईआरआईएनएस पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)

डॉ. कृति त्रिवेदी को ५ और ६ सितंबर २०२४ को वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित मेक डेटा काउंट (एमडीसी) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)

श्री स्वप्निल पटेल ने ०५ से ०६ अगस्त २०२४ तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित 'समर स्कूल ऑन बिल्डिंग नेक्स्ट–जेन डिजिटल रिपॉजिटरीज (डीस्पेस)' में भाग लिया और स्कूल के दौरान प्रतिभागियों के प्रस्तुतिकरण सत्र के दौरान 'डीस्पेस का उपयोग करके इनफ्लिबनेट द्वारा रिपॉजिटरी पहलः शोधगंगा, शोधगंगोत्री, इनफ्लिबनेट आईआर और आईआर सेवाएं' पर प्रस्तुति दी।

श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)

श्री हितेशकुमार सोलंकी ने २६ से ३० अगस्त २०२४ तक इटली के ट्राइस्टे में इंटरनेशनल केंद्र फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी) में आयोजित पांच दिवसीय CODATA&RDA एडवांस्ड वर्कशॉप फॉर रिसर्च डेटा साइंस में भाग लिया।

⏭ श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)

श्री पल्लब प्रधान को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया थाः

⏭ १३ अगस्त २०२४ को दयालबाग शैक्षणिक संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय), आगरा के एकीकृत चिकित्सा संकाय के डीईआई द्वारा आयोजित ऑनलाइन लेखक कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "विद्वान समुदायों के लिए ORCID और इनफ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

⏭ श्री पल्लब प्रधान को ५ और ६ सितंबर २०२४ को वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित मेक डेटा काउंट (MDC) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)

श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली ने १६ सितंबर २०२४ को गुजरात के नॉलेज कंसोर्टियम में "SOUL 3.0 सॉफ्टवेयर सुविधाएँ, लाइब्रेरी ऑटोमेशन और डिजिटलीकरण" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. कृति त्रिवेदी और श्री पल्लब प्रधान ने मेक डेटा काउंट (MDC) शिखर सम्मेलन, लंदन, यूके में और CODATA&RDA उन्नत कार्यशालाओं, रिसर्च डेटा साइंस, आईसीटीपी, ट्राइस्टे, इटली में श्री हितेशकुमार सोलंकी ने भाग लिया।

नई नियुक्ति

श्री राजन कुमार

श्री राजन कुमार इफ़लिबनेट केंद्र में वैज्ञानिक–सी (पुस्तकालय विज्ञान) के रूप में 5 जुलाई, 2024 को शामिल हुए। इस भूमिका से पहले, उन्होंने अक्टूबर 2021 से इंस्टिट्यूट सेंटर में साइंटिस्ट–बी (लाइब्रेरी साइंस) के रूप में कार्य किया। उनकी पेशेवर यात्रा में आईआईटी गांधीनगर, आईआईटी जम्मू, आईआईटी दिल्ली और एफएमएस, नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी महत्वपूर्ण योगदान शामिल है।

श्री राजन B-Sc (ऑनर्स।) दिल्ली विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स में स्नातक और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं। वह शोधगंगा/शोधगंगोत्री और शोध शुद्धि परियोजनाओं में शामिल हैं। उनकी रुचि के क्षेत्रों में पुस्तकालय प्रबंधन और सेवाओं के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां, ई–संसाधनों की कंसोर्टिया–आधारित सदस्यता, संस्थागत भंडार और इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी) अनुसंधान डेटा प्रबंधन, अनुसंधान सहायता सेवाएं, विद्वतापूर्ण संचार और खुले शैक्षिक संसाधन शामिल हैं।

संस्थागत दौरे

शिक्षक दिवस के अवसर पर, भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (IITE), गांधीनगर के १४ छात्रों और दो (२) संकाय सदस्यों से युक्त एक प्रतिनिधिमंडल ने ०५ सितंबर २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र का दौरा किया। श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सीएस) ने प्रतिनिधिमंडल को "AI के युग में आधुनिक शिक्षाशास्त्र" पर एक व्याख्यान दिया।

उपयोगकर्ताओं की राय

पीडीएस–शोधशुद्धि और सहायता टीम को प्रतिक्रिया

पीडीएस–शोधशुद्धि मैं पीडीएस–शोधशुद्धि और सहायता टीम द्वारा प्रदर्शित व्यावसायिकता और सहायता से पूरी तरह प्रभावित हूं। उपयोगकर्ता संतुष्टि के लिए टीम का समर्पण स्पष्ट है और इसकी बहुत सराहना की जाती है।

सादर,

कामधेनु विश्वविद्यालय

शोधगंगा के लिए

एक डॉक्टरेट उम्मीदवार के रूप में, मेरे अध्ययन की उन्नति के लिए शोध सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच महत्वपूर्ण है। शोधगंगा एक अमूल्य संसाधन है जो विभिन्न विषयों में कई शोधों तक पहुंच प्रदान करता है, जो मेरे शोध कार्य को बहुत लाभान्वित करेगा।

यदि आप मुझे पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन कर सकते हैं और सफल पंजीकरण के लिए आवश्यक कोई भी आवश्यक निर्देश या दस्तावेज प्रदान कर सकते हैं तो मैं आभारी रहूंगा।

आपके समय और सहायता के लिए धन्यवाद। मैं आपकी सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद रखता हूं।

शोधगंगा उपयोगकर्ता।

.....

उनके लिए जो इससे संबद्ध हो सकते हैं,

मुझे अपने दिवंगत दादा की पीएचडी थीसिस को पुनः प्राप्त करने में रुचि है क्योंकि हमारे परिवार के पास इस कार्य की कोई प्रति नहीं है और मैं इसे डिजिटल रूप में प्राप्त करना पसंद करूंगा। मैंने पाया कि यह आपकी वेबसाइट पर मौजूद है, लेकिन दस्तावेज़ को पढ़ने में मुझे कठिनाई हुई (पीडीएफ लिंक काम नहीं करते)। मैंने नीचे लिंक शामिल किया है। कृपया मुझे बताएं कि मैं इस पीएचडी थीसिस तक कैसे पहुंच सकता हूं।

.....

प्रिय महोदय/महोदया,

मुझे आशा है कि आप कुशल मंगल हैं।

मैं एनसीपीईडीपी रिसर्च फेलो हूं, जो वेब एक्सेसिबिलिटी पर काम कर रहा हूं। शोधगंगा शोधकर्ताओं के लिए एक अमूल्य संसाधन है। यह भारतीय शोधों और शोध प्रबंधों के विशाल भंडार तक पहुंच प्रदान करता है, ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देता है और शोध दोहराव को रोकता है। मेरे सहित कई विकलांग व्यक्ति शोधगंगा वेबसाइट का उपयोग करते हैं और कई एक्सेसिबिलिटी चुनौतियों का सामना करते हैं जो विकलांग उपयोगकर्ताओं के अनुभव में बाधा डाल सकती हैं। मैं एक एक्सेसिबल वेबसाइट के महत्व को समझता हूं, न केवल विकलांग व्यक्तियों को नेविगेट करने और इसे प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए बल्कि आपके प्लेटफ़ॉर्म के समग्र मूल्य को बढ़ाने के लिए भी।

शोधगंगा उपयोगकर्ता।

RGU to host 12th Convention of PLANNER 2024

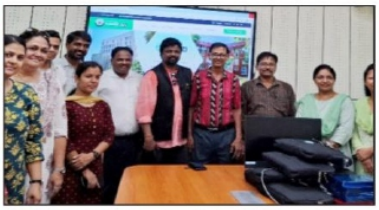

RONO HILLS, Sep 18: Rajiv Gandhi University (RGU) is going to host a three-day 12th convention of PLANNER from September 19-21, 2024.

The theme of this library and information science based upcoming academic event is 'Libraries in AI Era: Application and Perspectives'. This programme is being organised by the Information and Library Network (INFLIBNET) Centre, Gandhi Nagar, Gujrat in collaboration with Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh. It is an autonomous Inter-University Centre (IUC) of University Grant Commission (UGC), New Delhi.

The PLANNER is a North Eastern Region based library automation and networking convention, which is conducted biannually with the underlying objective of promotion of automation in and upliftment of academic libraries in the region.

This programme aims at bringing librarians, library science scholars, experts and students at a forum from across the country. Thus, this programme would prove a milestone in developing insights into the contemporary issues of library and information science. This programme is a systematic and regular academic event that attempts to provide insights into the prospective academic libraries and information centres. This programme is being organised in Arunachal Pradesh for the first time. It is being sponsored by thirty two sponsors, including JSTOR, DrillBit, Oxford University Press, Clarivate, Springer Nature, Sage, etc.

There are four categories of sponsors sponsoring the event, namely platinum, gold, silver, and bronze sponsors. Under this academic event, forty eight research articles have been shortlisted for the presentation, divided into three subthemes.

This academic event will be graced by Arunachal Pradesh Governor as the chief guest.

Prof. Devika P. Madali, Dr. H. D. Hosamani, Hitesh Kumar Solanki, Dr. Sudhir Kumar Jena, and Dr. Dhananjay Kumar Pandey will be the Programme Director, Convenor, Joint Convenor, Organising Secretary, and Joint Organising Secretary respectively.

Prof. A. R. D. Prasad, a notable Indian Information and Library Science academician, information professional and information scientist will deliver a keynote speech during the inaugural session of the event. Prof. Saket Kushwaha (Vice Chancellor, RGU) and Dr. Nabam Takam Rikam (Registrar, RGU) will also be present at the event.

This programme is a mega academic event that will continue for three days and attract academicians and scholars of library and information science from India and outside India as well. The faculty members from different departments of the varsity have been engaged to make this programme a great successful and memorable one. Dr. Vinod Kumar Yadav, Assistant Professor, Department of Commerce has been given the responsibility of media coverage of the event.

State News

RGU to hold 'PLANNER 2024' from 19-21 September

September 19, 2024

RONO HILLS, 18 Sep: The 12th Convention Promotion of Library Automation and Networking in North Eastern Region- 2024 (PLANNER), being organized by the INFLIBNET Centre, Gandhinagar, Gujarat (an IUC of University Grants Commission (UGC), in collaboration with Rajiv Gandhi University (RGU), is going to be held from 19 to 21 September.

Governor K.T. Parnaik will be inaugurating the event, which will witness participation of over 250 delegates from across the nation besides eminent professionals like, DRTC, Bengaluru retired prof. A.R.D. Prasad and vice chancellor of Jaipur National University, Rajasthan Dr. Roshan Raina.

Around 48 research papers on the theme 'Libraries in AI Era: Applications and Perspectives' will be presented in the three-day convention.

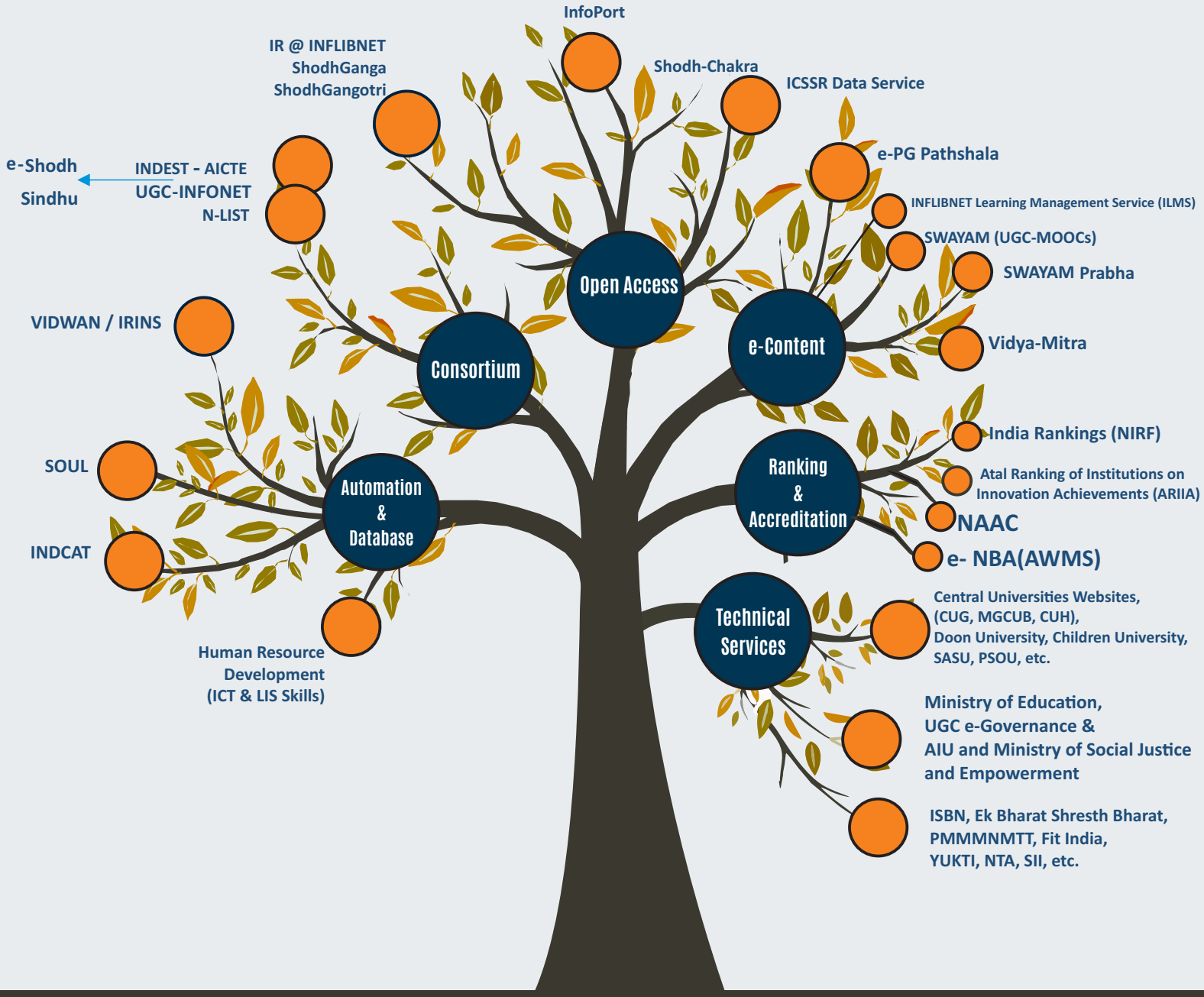

Information and Library Network Centre

(An Autonomous Inter-University Centre of UGC)

Infocity, Gandhinagar - 382007, Gujarat, India

Email: director@inflibnet.ac.in

https://www.inflibnet.ac.in/